VISION IAS

www.visionias.in

VISION IAS
M N 21 AUG 2023 No. 3
RECEIVED

GENERAL STUDIES (TEST CODE : 2088)

Name of Candidate	Devesh Parashar		
Medium Hindi/Eng.	Hindi medium	Registration Number	520497
Center	Mukharjee Nagar.	Date	21/08/2023

INDEX TABLE

Q. No.	Maximum Marks	Marks Obtained
1(a)	10	
1(b)	10	
2(a)	10	
2(b)	10	
3(a)	10	
3(b)	10	
3(c)	10	
4(a)	10	
4(b)	10	
5(a)	10	
5(b)	10	
6(a)	10	
6(b)	10	
7	20	
8	20	
9	20	
10	20	
11	20	
12	20	

Total Marks Obtained:

Remarks:

INSTRUCTIONS

1. Do furnish the appropriate details in the answer sheet (viz. Name, Registration Number and Test Code).
   उत्तर पुस्तिका में सूचनाएं भरना आवश्यक है (नाम, प्रश्न–पत्र कोड, विद्यार्थी क्रमांक आदि)।
2. There are **TWELVE** questions printed in **ENGLISH & HINDI.**
   इसमें बारह प्रश्न हैं अंग्रेजी और हिन्दी में छपे हैं।
3. **All questions are compulsory.**
   सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।
4. The number of marks carried by a question/part is indicated against it.
   प्रत्येक प्रश्न/भाग के अंक उसके सामने दिए गए हैं।
5. Answers must be written in the medium authorized in the Admission Certificate, which must be stated clearly on the cover of this Question-Cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in medium other that the authorized one.
   प्रश्नों के उत्तर उसी माध्यम में लिखे जाने चाहिए जिसका उल्लेख आपके प्रवेश पत्र में किया गया है और उस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न–सह–उत्तर (क्यूसीए) पुस्तिका के मुख्य पृष्ठ पर अंकित निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिए। उल्लिखित माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिए गए उत्तर पर कोई अंक नहीं मिलेंगे।
6. Word limit in questions, if specified, should be adhered to.
   प्रश्नों में शब्द सीमा, जहाँ विनिर्दिष्ट है, का अनुसरण किया जाना चाहिए।
7. Any page or portion of the page left blank in the Question-Cum-Answer Booklet must be clearly struck off.
   उत्तर पुस्तिका में खाली छोड़ा हुआ पृष्ठ या उसके अंश को स्पष्ट रूप से काटा जाना चाहिए।

Is student recommended for One-to-One mentoring?

Recommended	Strongly Recommended

EVALUATION INDICATORS

1. Contextual Competence
2. Content Competence
3. Language Competence
4. Introduction Competence
5. Structure - Presentation Competence
6. Conclusion Competence

Overall Macro Comments / feedback / suggestions on Answer Booklet:

1.

2.

3.

4.

5.

6.

All the Best

For one-to-one mentoring session on this copy, call us at 7042691891 or send an email to appointment@visionias.in

खण्ड-A (Section-A)

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लगभग 150 शब्दों में दीजिए:

1.(a) दोहरे प्रभाव का सिद्धांत इस विचार पर आधारित है कि यदि किसी व्यक्ति का व्यवहार या आचरण किसी ऐसे लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए है जो नैतिक रूप से सही है, लेकिन उसके परिणामस्वरूप एक नैतिक दुष्प्रभाव भी पड़ता है, तब भी उस विशेष व्यवहार या आचरण को अपनाना स्वीकार्य होगा। यह सिद्धांत कठिन नैतिक स्थितियों को सुलझाने में कहां तक सहायता कर सकता है? उपयुक्त उदाहरणों के साथ चर्चा कीजिए।

The principle of double effect is based on the idea that if a person's behaviour or conduct is intended to achieve a goal which is morally good, however, as a result, there is a morally bad side-effect, then it is still acceptable to adopt that particular behaviour or conduct. How far can this principle aid in resolving difficult moral situations? Discuss with suitable examples. (Answer in 150 words) 10

दोहरे प्रभाव के सिद्धांत के अनुसार किसी व्यक्ति का नैतिक उद्देश्य से किया गया कार्य, उस कार्य से उत्पन्न नैतिक दोष की प्रतिपूर्ति कर देता है इसे अनैतिक कृत्य नहीं माना जाएगा।

वस्तुतः नैतिकता केवल उद्देश्यात्मक न होकर संवेगात्मक और परिणामात्मक भी है। अतः केवल 'हमने क्या किया' यह मायने नहीं रखता बल्कि 'हम क्या करना चाहते थे'

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

की भूमिका भी महत्वपूर्ण हो जाती है.

कठोर नैतिक स्थितियों के समाधान में सहायक

(1) प्रतिस्पर्धी मूल्यों में से एक को चुनना।

उदा० - राष्ट्रीय सुरक्षा के मुद्दे पर जहाँ कई लोगों की जिंदगियाँ दाँव पर हो वहाँ पारदर्शिता के स्थान पर गोपनीयता को महत्व देना।

(2) उपयोगितावाद की दृष्टि से किया गया कार्य बनाम कानून के नियम प्रक्रिया।

उदा० आपदा के समय कानून का उल्लंघन होने के बावजूद त्वरित कार्यवाही प्राप्त करना होते ही वह सरकारी प्रक्रिया के अनुरूप ना हो।

दोहरे प्रभाव का सिद्धांत भारतीय परंपरा में उल्लेखित आपद धर्म के समतुल्य है.

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

1.(b) भारतीय गणराज्य ने सारनाथ स्थित सम्राट अशोक के सिंह शीर्ष को अपने राष्ट्रीय प्रतीक के रूप में चुना, ताकि वैसी ही सद्भावना को प्रतिबिंबित किया जा सके जैसी सम्राट अशोक द्वारा हासिल की गई थी और आधुनिक भारतीय राष्ट्र के लोगों के लिए उनके द्वारा लागू की गई मानवीय नीतियों की निरंतरता बनी रहे। इस पृष्ठभूमि में, उन नैतिक शिक्षाओं पर चर्चा कीजिए जो सम्राट अशोक के जीवन में प्रतिलक्षित होती हैं।

The Indian Republic chose Ashoka's Lion Capital at Sarnath as its state emblem to reflect the same harmony achieved by him and effect a continuity with his humane policies towards the people of the modern Indian nation. In this background, discuss the ethical teachings that find resonance in Ashoka's life. (Answer in 150 words) 10

सारनाथ स्थित अशोक का सिंह शीर्ष भारत का राष्ट्रीय प्रतीक है। यह आधुनिक काल में भारत की प्राचीन गौरवशाली परंपरा की निरंतरता को दर्शाता है।

सम्राट अशोक के जीवन से परिलक्षित नैतिक शिक्षाएं-

(i) नैतिकता पूर्ण जीवन का संचालन

(ii) समाज में सभी के प्रति समानता का भाव

(iii) नैतिक मानकों के अनुरूप अपना जीवन का संचालन करना।

जैसे- धम्म नीति का पालन.

(iv) बड़ों एवं महिलाओं के सम्मान की शिक्षा।

(v) अपनी गलती को सुधारने के लिए तत्पर रहना।

अन्य: कलिंग युद्ध की विध्वंसता के बाद युद्ध नीति का त्याग।

(vi) सहनशीलता - आजीवन धम्म की नीति के प्रति समर्पित रहना।

(vii) जनता के सुख के संपत्ति दान और नीतियों का निर्माण।

यह प्रवृत्ति वर्तमान कल्याणकारी राज्य के कर्तव्य को दर्शाती है।

वर्तमान के प्रशासनिक संदर्भ में भी अशोक के चरित्र से सीखा जाना चाहिए एवं आचार संहिता व आचरण नियमावलियों का उपयोग के साथ पालन किया जाना चाहिए।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

2.(a) करुणा और सहिष्णुता अनिवार्यताएं हैं, विलासिता नहीं क्योंकि इनके बिना मानवता जीवित नहीं रह सकती। करुणा और सहिष्णुता के मूल्य किसी लोक सेवक के दैनिक काम-काज में कैसे सहायता करते हैं? उपयुक्त उदाहरणों सहित व्याख्या कीजिए।

Compassion and tolerance are necessities and not luxuries, as without them, humanity cannot survive. How do the values of compassion and tolerance assist in the day-to-day functioning of a civil servant? Explain using suitable examples. (Answer in 150 words) 10

करुणा और सहिष्णुता मानव जीवन के दो महत्वपूर्ण मूल्य हैं।

[करुणा] - किसी भी स्थिति के प्रति दया और सहायता का सक्रिय भाव है।

[सहिष्णुता] - यह अपने से भिन्न विचारों, मतों, सिद्धांतों को भी धैर्य व सम्मानपूर्वक समझने की शक्ति है।

ये दोनों मूल्य मानव जीवन की आवश्यकताएँ है, इनके अभाव मे क्योंकि इनके अभाव मे ना समाज मे सहायता का भाव होगा और ना सहनशीलता का। लोग केवल अपने अधिकारों पर केंद्रित होकर

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

कर्तव्यों की अवहेलना करेंगे जिससे अंततः सभी के अधिकार बाधित रहेंगे।

लोक सेवक के दैनिक कामकाज में योगदान

(i) हाशिए पर स्थित लोगों के समावेशन में सहायक।

(ii) वंचितों के कल्याण के प्रति समर्पण भाव।
उदा.: दिव्यांगजनों के सम्मानजनक विचरण शिविर में उनके लिए रैंप का निर्माण बनवाना।

(iii) वास्तविक व नैतिक नेतृत्व प्रदान करने में। उदा.- कैलाश सत्यार्थी द्वारा करुणा व सहिष्णुता के चलते बचपन बचाओ आंदोलन।

करुणा और सहिष्णुता सिविल सेवा हेतु आधारभूत स्तंभ है जो की नैतिक शासन हेतु आधार है।

2.(b) जवाबदेही के लिए पारदर्शिता एक अनिवार्य शर्त है, लेकिन यह स्वतः जवाबदेही की गारंटी नहीं देती है। चर्चा कीजिए। किन परिस्थितियों में पारदर्शिता जवाबदेही की ओर ले जाती है?

Transparency is a necessary condition for accountability, but it does not automatically guarantee accountability. Discuss. Under what conditions does transparency lead to accountability? (Answer in 150 words) 10

पारदर्शिता का आशय खुलेपन से है। सरकार कब, क्या, क्यों और कैसे कर रही है, इसकी जानकारी सभी नागरिकों को होना ही पारदर्शिता है। यह जवाबदेहिता के लिए पूर्वापेक्षा मानी जाती है क्योंकि -

(i) जनता को अधिकारियों की भूमिका व कार्यों से अवगत कराती है।

(ii) जनता की भागीदारी से प्रशासन में उत्तरदायित्व का भाव जागृत होता है।

(iii) "निर्णय क्यों लिया गया" की स्पष्टता से निर्णय एवं उचितता बनाए रखने का भाव उत्पन्न होता है।

[परंतु] केवल पारदर्शिता मात्र से जवाबदेही सुनिश्चित नहीं

होती क्योंकि यह केवल कार्यों की जानकारी देती है उनकी औचित्यता का समाधान नहीं करती।

जैसे- सरकार द्वारा FRBM लक्ष्य पूरा न होने पर संसद में बताना पारदर्शिता है परंतु यह सरकार को लक्ष्य के प्रति जवाबदेह नहीं बनाता है।

जवाबदेहिता की ओर जाने के लिए आवश्यक परिस्थितियाँ -

(i) प्रभावी शिकायत निवारण तंत्र
(ii) त्वरित जाँच व न्याय व्यवस्था
(iii) व्यक्तिगत जिम्मेदारी का अवधारण
(iv) लक्ष्य पूरा न होने पर इस्तीफे/ EOS की व्यवस्था।
(v) आंतरिक नैतिक प्रकृति।

2nd ARC ने माना है कि भारतीय प्रशासन में पारदर्शिता जवाबदेहिता में रूपान्तरित नहीं हुई है उसके लिए प्रभावी क्रियान्वयन त्वरित जाँच की आवश्यकता है।

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

3. निम्नलिखित में से प्रत्येक उद्धरण का आपके विचार से क्या अभिप्राय है?
What does each of the following quotations mean to you?

(a) "एक महान व्यक्ति एक प्रतिष्ठित व्यक्ति से इस मायने में भिन्न होता है कि वह समाज का सेवक बनने के लिए तैयार रहता है।" डॉ. भीमराव अंबेडकर

"A great man is different from an eminent one in that he is ready to be the servant of the society." B.R. Ambedkar (Answer in 150 words) 10

डॉ. भीमराव अंबेडकर का यह कथन एक महान व्यक्ति के वास्तविक चरित्र को उद्घाटित करता है।

एक प्रतिष्ठित व्यक्ति वह होता है जिसकी समाज में पहचान होती है तथा एक महत्वपूर्ण स्थान रखता है.

लेकिन एक महान व्यक्ति वह होता है जो समाज की गहराई को समझता है और उसके उत्थान के लिए सदैव तत्पर रहता है.

जैसे (1) विभिन्न जाति आधारित समाज के प्रतिष्ठित

पारित है परन्तु वे महान नहीं कहे जा सकते क्योंकि समाज में उनका कोई विशेष सक्रिय व गुणात्मक योगदान नहीं है।

जबकि डॉ. भीमराव अम्बेडकर ने अपनी शिक्षा प्रसार का उपयोग दलितों के संरक्षण, कानूनी अधिकारों के मान्यता और संविधान निर्माण में किया। उन्होंने वास्तविक अर्थों में समाज को सेवित किया।

प्रशासनिक संदर्भ में भी हमें विनम्र होते हुए प्रशासन समाज हेतु कल्याण के लिए समर्पित लोक सेवक बनना चाहिए ताकि सुशासन की प्राप्ति हो सके।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

3.(b) "हमारे धर्म अलग-अलग हो सकते हैं, भाषाएं अलग-अलग हो सकती हैं, त्वचा का रंग अलग-अलग हो सकता है, लेकिन हम सभी एक ही मानव जाति से संबंधित हैं।" कोफी अन्नान

"We may have different religions, different languages, different colored skin, but we all belong to one human race." Kofi Annan (Answer in 150words) 10

कोफी अन्नान का उपर्युक्त कथन मानवीय एकता और सार्वभौमिकता के महत्व को प्रदर्शित करता है.

वस्तुतः मानव की एकता का सबसे बड़ा आधार मानवता है. अलग-अलग धर्म, रंग व भाषाएँ केवल इसका विविध स्वरूप व प्रकटीकरण है.

महात्मा गांधी के अनुसार भी संपूर्ण मानव जाति एक है और ईश्वर का अंश ही सब अंदर है सभी नैतिक दृष्टिकोण से समान है.

वर्तमान में विभिन्न धर्म, रंग व भाषा आदि पहचानों के लेकर आपसी मतभेद व कट्टरता बढ़ रही है। यह वास्तविकता में मानवता का हनन है जो मानवता व मानवीय मूल्यों को संकीर्ण रूप से समझने के कारण हो रहा है।

स्वामी विवेकानंद ने भी संकीर्ण मानवतावादी को खत्म करने के लिए सेवा पर जोर दिया है मानव कल्याण।

विवेकानंद ने कहा गया है कि सब धर्म विभिन्न पद्धति अर्थात् भगवान केवल एक है बस अभिव्यक्ति भिन्न भिन्न रूपों में होती है।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

3.(c) "शिक्षा का उद्देश्य तथ्यों का नहीं, बल्कि मूल्यों का ज्ञान है।" विलियम राल्फ इंगे

"The aim of education is the knowledge, not of facts, but of values." William Ralph Inge (Answer in 150 words) 10

जॉन डिवी के अनुसार शिक्षा जीवन के लिए तैयारी नहीं है बल्कि स्वयं शिक्षा ही जीवन है।

शिक्षा का उद्देश्य हैं सूचना प्रदान करना और केवल स्मृति शक्ति बनाना नहीं है बल्कि शिक्षा का वास्तविक उद्देश्य ज्ञान का मानवकल्याण में उपयोग व शुचित शक्ति बनाना है।

जैसे: परमाणु विज्ञान एक ज्ञान है और उसके का कल्याण में ऊर्जा की उत्पत्ति उसका रतन है।

भगवान बुद्ध के जीवन में थी अपनी शिक्षा के द्वारा जीवन हितार्थ व जीवन अध्याय कि शिक्षा

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

के उपनिषदों दर्शन का ~~संतोष~~ संदेश मिलता है।

स्वामी विवेकानंद में ज्ञान के साथ स्नेह भी है तभी उन्होंने भारतीय संस्कृति के प्रसार में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई और नव वेदांत के माध्यम से मानव कल्याण को बढ़ावा दिया।

प्रशासनिक संदर्भ में भी होना केवल आचरण नियमों की शिक्षा ही नहीं बल्कि उसके ~~मूल्यों~~ मूल्यों का भी ज्ञान होना आवश्यक है ताकि समाधान की प्राप्ति हो सके।

महात्मा गांधी भी बिना नैतिक मूल्यों के ज्ञान को सामाजिक पाप मानते हैं।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

4.(a) नैतिक कॉर्पोरेट गवर्नेंस की अवधारणा समता के संतुलन के सिद्धांत पर काम करती है, जिसके तहत एक तरफ कंपनी, ग्राहकों, आपूर्तिकर्ताओं, वित्त-पोषकों, सरकार और शेयरधारकों तथा दूसरी तरफ बड़े पैमाने पर समुदाय के हितों में संतुलन बनाए रखा जाता है। नैतिक कॉर्पोरेट गवर्नेंस सुनिश्चित करने में कौन-से मूल्य मुख्य भूमिका निभाते हैं?

The concept of ethical corporate governance works on the principle of balance of equity, which seeks to balance the interests of the company, customers, suppliers, financers, government and shareholders on the one hand and the community at large on the other hand. Which values play a central role in ensuring ethical corporate governance? (Answer in 150 words) 10

वैश्वीकरण के विस्तार से कार्पोरेट गवर्नेंस की मांग बढ़ी है. इसमें नैतिक सिद्धांतों का समावेश ही नैतिक कॉर्पोरेट शासन कहलाता है.

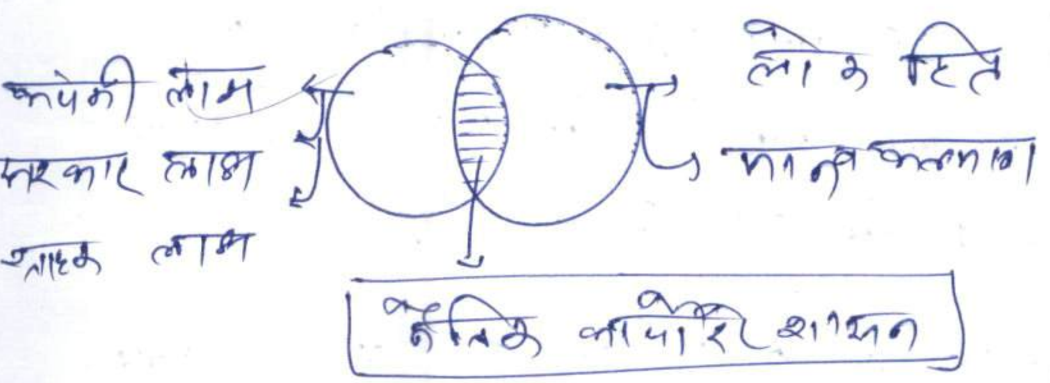

नैतिक कॉर्पोरेट शासन सुनिश्चित करने हेतु आवश्यक मूल्य

(1) समता - सभी के समान लाभ और सभी के समान कल्याण पर बल देना.

(2) पारदर्शिता - सभी हितधारकों और शेयरधारकों को कार्पोरेट की जानकारी।
→ नीतियों में खुलापन।

(3) जवाबदेहिता - कानूनी के साथ नैतिक जिम्मेदारी भी आवश्यक है।

(4) सामान्य कल्याण उपागम पर बल देना।

जैसे - बजाज द्वारा समाज में द्वेष फैलाने वाले चैनलों पर अपने विज्ञापन न दिखाने का निर्णय।

जबकि - यस बैंक की गिरती स्थिति का कारण उसके कई मालिकों का लालच है जिन्होंने शेयरधारकों के धन का गलत उपयोग किया।

भारत में बढ़ता कार्पोरेट क्षेत्र कंपनी एक्ट में संशोधन के माध्यम से नैतिक मानकों के स्पष्ट और भी योग करता

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

4.(b) खराब कार्य परिवेश और अतिरिक्त श्रम ऐसी सामाजिक समस्याएं हैं, जिनके लिए सरकार, श्रमिक संघों, स्वास्थ्य अधिकारियों एवं कॉर्पोरेट जगत को उचित नीति निर्माण करने की आवश्यकता है। इस संबंध में उचित नीति निर्माण करते समय किन नैतिक मुद्दों पर विचार किया जाना चाहिए?

Toxic work environment and overwork are social problems, which require the government, labour unions, health officials and corporates to formulate appropriate policies. What are the ethical issues that should be considered while formulating appropriate policies in this regard? (Answer in 150 words) 10

बढ़ते पूंजीवाद के युग में श्रमिक संबंधी समस्याएं एक गंभीर परिणाम है। इस हेतु उचित नीति निर्माण की जरूरत है।

नीति की आवश्यकता क्यों

- काम की अति करना / श्रमिकों को न्यूनतम मजदूरी नहीं।
- कुपोषण एवं बीमारियों की स्थिति।
- श्रमिक स्वास्थ्य का शोषण
- विपरीत कार्यदशाएं जैसे - धूप में कार्य, अपर्याप्त सुरक्षा उपकरण आदि।

उचित नीति निर्माण हेतु ध्यान रखने वाले नैतिक मुद्दे

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

(i) उत्पादन बनाम उत्पादकता में श्रम की उत्पादकता पर ध्यान देना।

(ii) कंपनी लाभ बनाम श्रमिक जीविका में आवश्यक संतुलन।

(iii) श्रमिक के जीवन व आजीविका के अधिकार को ध्यान में रखना।

(iv) काम की मानवोचित दशाओं का निर्माण आवश्यक है।

(v) स्वास्थ्य पर ध्यान दिया जाना।

(vi) श्रमिक संघों द्वारा कंपनी की क्षति का और कंपनी द्वारा श्रमिक आवश्यकता का ध्यान रखा जाना।

(vii) सरकार के नियमों व कानूनों का पालन प्रतिबिम्बित नीति संबंधी हेतु।

भारतीय संविधान का अनुच्छेद 39(e) भी श्रमिक की उत्तरजीविता व रक्षा के शोषण के विरुद्ध राज्य के कर्तव्य का आह्वान करता है।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

5.(a) नेतृत्वकर्ताओं के लिए, सफलता हेतु भावनात्मक बुद्धिमत्ता का होना महत्वपूर्ण है, क्योंकि इससे उन्हें दूसरों की भावनाओं को सहजता से समझने और उनकी भावनात्मक स्थिति का आकलन करते हुए, अपनी भावनाओं को समझने एवं नियंत्रित करने में भी मदद मिलती है। हालांकि, वर्तमान परस्पर जुड़ी हुई दुनिया में प्रभावी नेतृत्व के लिए भावनात्मक बुद्धिमत्ता से परे जाने और सांस्कृतिक बुद्धिमत्ता को विकसित करने की आवश्यकता है। उदाहरण सहित चर्चा कीजिए।

For leaders, having emotional intelligence is vital for success as it helps them to read and regulate their own emotions while intuitively grasping how others feel and gauging their emotional state. But effective leadership in today's interconnected world necessitates going beyond emotional intelligence and cultivating cultural intelligence. Discuss with illustrations. (Answer in 150 words) 10

भावनात्मक बुद्धि (EI) बुद्धि और संवेग का मिश्रण है जहाँ अपने कार्यों को स्वयं व सामने वाले के संवेगों के आकलन के माध्यम से निर्धारित किया जाता है।

नेतृत्व की सफलता में E.I. की भूमिका

(i) संवेग व तनाव प्रबंधन क्षमता का होना,

(ii) आशावादी रवैया बनाए रखना।

उदा. महात्मा गांधी, रतन टाटा आदि उच्च भावनात्मक बुद्धि वाले नेतृत्वकर्ताओं के उदाहरण है।

सांस्कृतिक विभिन्नता के विकास की आवश्यकता क्यों?

(i) वैश्वीकरण के दौर में विभिन्न संस्कृतियों का निकट आना, उनके प्रति आग्रह को आवश्यक बनाता है.

(ii) विभिन्न संस्कृतियों में नैतिकता के मानकों में कुछ भिन्नताएं जिनका ज्ञान होना जरूरी।

(iii) सांस्कृतिक कट्टरता को बढ़ने से रोकने हेतु।

(iv) भारत जैसे बहुलवादी सांस्कृतिक देश के संदर्भ में यह महत्वपूर्ण है.

हालांकि इसके लिए भावनात्मक विभिन्नता भी अपना महत्व रखती है.

वर्तमान तकनीकी व प्रशासनिक जटिलता वाले युग में भावनात्मक व सांस्कृतिक विभिन्नता दोनों ही समान रूप से महत्वपूर्ण है।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

5.(b) शुचिता (प्रोबिटी) सत्यापित सत्यनिष्ठा होती है, जिसके बारे में आमतौर पर माना जाता है कि इसे विकृत नहीं किया जा सकता। अभिशासन में शुचिता का क्या महत्व है? लोक सेवा में शुचिता और नैतिक शासन को बढ़ावा देने में नेतृत्व की भूमिका कितनी महत्वपूर्ण है? उपयुक्त उदाहरणों सहित व्याख्या कीजिए।

Probity is confirmed integrity, which is usually regarded as being incorruptible. What is the significance of probity in governance? How important is the role of leadership in fostering probity and ethical governance in public service? Explain using suitable illustrations. (Answer in 150 words) 10

शुचिता (प्रोबिटी) अपने कर्तव्यों के प्रति दृढ़ता व हर परिस्थिति में नैतिक समर्पण का भाव है।

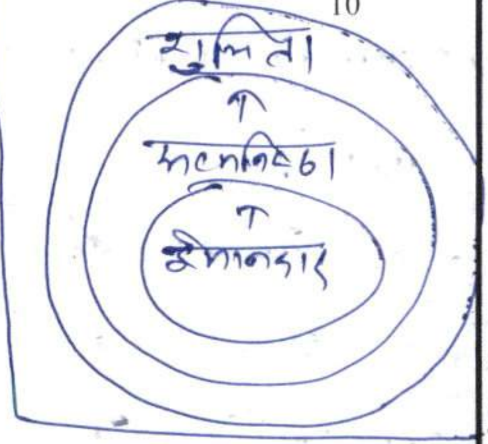

अभिशासन में शुचिता का महत्व

- भ्रष्टाचार पर अंकुश
- निर्णयों में वस्तुनिष्ठता हेतु
- पारदर्शिता व जवाबदेहिता बनाए रखना।
- लोक सेवा का कर्तव्यपूर्ण समर्पण हो
- वंचित वर्गों के प्रति कल्याणपूर्ण कार्यवाही.

उदाहरण मेट्रो मैन ई श्रीधरन की कार्यवाही

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

लोक सेवा में शुचिता और ~~[illegible]~~ नैतिक शासन बढ़ाने में नेतृत्व की भूमिका

(i) मजबूत नेतृत्व गरिमामयी भूमिका बनाए रखता है। जैसे T.N. शेषन द्वारा आचार संहिता का पालन सुनिश्चित करवाना।

(ii) लोक आवश्यकताओं को ध्यान में रखना जैसे - स्कूली बच्चों के गरीब बच्चों हेतु डा० त्रिलोक कुमार सोनी द्वारा (भरतापुर पाठशाला अभियान)

(iii) दबाव के विरुद्ध सत्यनिष्ठा बनाए रखना उदा० IAS खेमका द्वारा बिना दबाव के शक्तिशाली लोगों की जाँच करना पर छापा।

(iv) नीतियों का कल्याण जैसे श्रीपदाजा विन्यास जिसमें हाथ से मैला ढोने वालों के सुधार में अपनी जिंदगी समर्पित।

अतः शुचिता नेतृत्व व शासन की अपेक्षा है

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

6.(a) भारत में वैवाहिक बलात्कार की धारणा और इसके प्रति अनुक्रिया को आकार देने में नैतिक अभिवृत्ति की भूमिका का विश्लेषण कीजिए। देश में वैवाहिक बलात्कार को अपराध घोषित करने में विद्यमान नैतिक मुद्दों की व्याख्या कीजिए।

Analyse the role of moral attitude in shaping the perception and response to marital rape in India. Explain the ethical considerations in criminalising marital rape in the country. (Answer in 150 words) 10

वैवाहिक बलात्कार या इच्छा विवाहित स्त्रियों के यौन अधिकारों से जुड़ा मुद्दा है वर्तमान में इसे अपराध घोषित करने की मांग चल रही है.

इसके प्रति अनुक्रिया मे नैतिक अभिवृत्ति की भूमिका

(i) लोगों को वास्तविक अधिकारों से अवगत कराते हैं.

(ii) महिला अधिकारों के प्रति संवेदनशीलता को बढ़ावा देते हैं.

(iii) जनता को इस बारे में शिक्षित करना कि अधिकार मे शारीरिक सहमति दोनों स्वतंत्र व्यक्ति है.

(iv) समाज को इस प्रकार के अन्य नैतिक क्रांतिवादी कदमों के प्रति तैयार करना।

अपराध घोषित करने में नैतिक मुद्दे .

(1) [नो-चॉइस] बनाम [नो मैरिज]

- महिला केंद्रित
- अधिकार आधारित
- स्त्री का अपने शरीर पर संपूर्ण हक

- विवाह में मौन सहमति निहित
- विवाह संस्था की स्थापना हेतु यह कानूनी सहमति जरूरी.

(2) इच्छा बनाम आजादी का मुद्दा।

(3) नैतिक दृष्टिकोण में महिला की गरिमा और सामाजिक दृष्टिकोण में विवाह की पवित्रता से विरोधा।

वर्तमान में मानवाधिकारों का प्रसार हो रहा है संविधान के अनुच्छेद 21 में भी गरिमा पूर्ण जीवन के अधिकार को मान्यता प्रदान की गई है ऐसे में पर्याप्त जागरूकता के साथ वैवाहिक बलात्कार को अपराध घोषित करना चाहिए।

6.(b) नैतिक निर्णय के लिए चेतना के अलावा विवेक का होना भी आवश्यक है। उपयुक्त उदाहरणों सहित व्याख्या कीजिए।

Apart from consciousness, one needs to possess conscience in order to make ethical decisions. Explain with suitable examples. (Answer in 150 words) 10

नैतिक निर्णय से आशय ऐसे निर्णयों से है जहाँ तार्किकता के साथ भावनात्मक परिस्थितियों पर भी विचार किया जाता है और मानव कल्याण के उद्देश्य से लिया जाता है।

नैतिक निर्णयों में ज्ञान भावनात्मक पक्ष अधिक होती होता है। यहाँ हम केवल आवेगों के आधार पर अधिकांश निर्णय लेते हैं। परंतु यदि एक सटीक निर्णय होता है उसके लिए विवेक की भी आवश्यकता होती है। यह हमारे नैतिक निर्णय की तार्किकता को बनाकर औचित्यता प्रदान करता है।

जैसे - मान: कोई दो व्यक्ति डूबने

इन दोनों व्यक्ति का विरोध लोगों और इनका विरोध है। परंतु संभावना है कि उनकी कोशिश में इन दोनों को न करना चाहिए।

इसके विपरीत इन विवेकपूर्ण कार्यवाही करते हुए जिले प्रमुख किया जाता है और कल्याण तो इससे व्यक्ति को बचाने के संभावना भी बढ़ जाती है क्योंकि आप का लोग सम्मान कर रहे हैं।

सामाजिक जीवन में भी इन तरह स्थितियों का सामना करना पड़ता है जहाँ नैतिक दुविधा होती है।

परंतु भावनात्मक विवेचन का ज्ञान होने के कारण यहाँ विवेकपूर्ण बुद्धिमत्ता की आवश्यकता है।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

खण्ड-B (Section-B)

निम्नलिखित प्रश्नों में, प्रस्तुत मामले का ध्यानपूर्वक अध्ययन कीजिए और फिर इसके बाद आने वाले प्रश्नांशों का उत्तर दीजिए (लगभग 250 शब्दों में):

7. भले ही LGBTQIA+ युगल एक साथ रहते हों लेकिन कानूनी तौर पर वे एक प्रतिकूल स्थिति में हैं। उन्हें वे सारे अधिकार प्राप्त नहीं हैं जो विवाहित जोड़ों को प्राप्त हैं। उदाहरण के लिए- LGBTQIA+ युगल, बच्चों को गोद नहीं ले सकते या सरोगेसी से बच्चा पैदा नहीं कर सकते हैं, उनके पास विरासत, भरण-पोषण और कर लाभ के स्वत: मिलने वाले अधिकार नहीं हैं तथा अपने साथी के निधन के बाद, उन्हें पेंशन या मुआवजे जैसे लाभ नहीं मिल सकते हैं। इससे भी बड़ी बात यह कि विवाह एक सामाजिक संस्था है जो कानून द्वारा निर्मित और विस्तृत रूप से विनियमित है, ऐसे में सामाजिक स्वीकृति के बिना, समलैंगिक युगल एक साथ जीवन जीने के लिए संघर्ष करते हैं।

समलैंगिक विवाहों को कानूनी मान्यता देने के लिए हाल के वर्षों में न्यायालयों में कई याचिकाएं दायर की गई हैं। लैंगिक अधिकार प्रचारकों के अनुसार, समलैंगिकता को अपराध की श्रेणी से बाहर करने के बाद समलैंगिक विवाह को मान्यता देना अगला तार्किक कदम होना चाहिए।

हालांकि, दूसरा दृष्टिकोण यह है कि न्यायिक व्याख्या विवाह की अवधारणा को अस्त-व्यस्त या कमजोर न कर दे। यह तर्क दिया जाता है कि सरकार के लिए बीच का रास्ता यह हो सकता है कि वह समलैंगिक युगल की दलीलों पर गौर करने और कोई रास्ता सुझाने के लिए किसी पैनल का गठन करे।

एक जागरूक व्यक्ति के रूप में, जो इस मुद्दे के विभिन्न आयामों को समझता है, निम्नलिखित का उत्तर दीजिए:

(a) इस प्रकरण में शामिल नैतिक मुद्दों पर चर्चा कीजिए।

(b) क्या आपको लगता है कि भारत में समलैंगिक विवाह को राज्य द्वारा मान्यता दी जानी चाहिए?

(c) आलोचनात्मक परीक्षण कीजिए कि क्या कानून सामाजिक परिवर्तन लाने में प्रभावी हो सकता है।

Even if the LGBTQIA+ couples live together, legally, they are on a slippery slope. They do not enjoy the rights that married couples do. For example, the LGBTQIA+ couples cannot adopt children or have a child by surrogacy, they do not have automatic rights to inheritance, maintenance and tax benefits, and after a partner passes away, they cannot avail benefits like pension or compensation. Most of all, since marriage is a social institution that is created by and highly regulated by law, without this social sanction, same-sex couples struggle to make a life together.

A number of petitions have been filed in recent years in courts for the legal recognition of same-sex marriages. Gender rights campaigners believe that recognizing same-sex marriages is the next logical step after the decriminalization of homosexuality.

However, the other point of view is that the concept of marriage ought not to be disturbed or diluted by judicial interpretation. It is argued that a middle path could be for the government to set up a panel to look into the pleas of same sex couples and recommend a way out.

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

As an aware individual, who understands various dimensions of this issue, answer the following:

(a) Discuss the ethical issues involved in the case.

(b) Do you think same-sex marriage should be recognised by the State in India?

(c) Critically examine whether law can be effective in bringing about social change. 20

उपर्युक्त विषय वर्तमान में समलैंगिक विवाहों के संदर्भ में LGBTQIA+ के अधिकारों के पक्षपोषण के आकलन के संदर्भ में है।

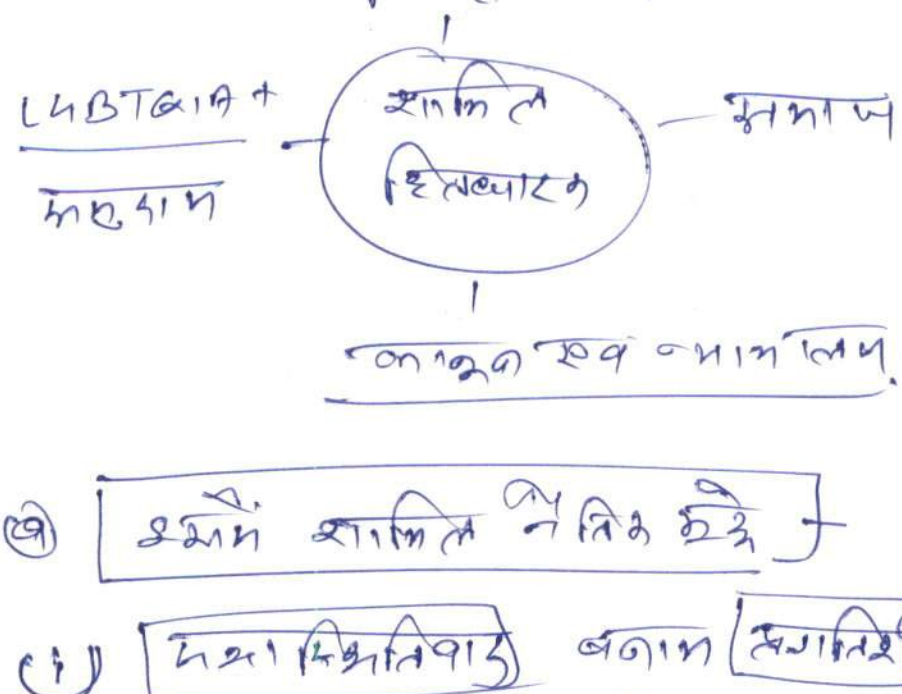

(a) इसमें शामिल नैतिक मुद्दे —

(i) यथास्थितिवाद बनाम प्रगतिशीलता की स्थिति जहाँ समलैंगिकता के प्रति जड़ व रूढ़िगत रवैये के विरोध में आधुनिक व क्रांतिकारी मूल्यों

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

को महत्व देने पर बल दिया जा रहा है।

(ii) समानता बनाम प्राकृतिक असमानता की स्थिति में लोगों का मानना है कि मर्द स्वाभाविक प्राकृतिक रूप में अच्छा होते हैं। जबकि लोकतंत्र व कानून समानता के सिद्धांत पर आधारित है।

(iii) व्यक्तिगत निर्णय बनाम सांस्कृतिक मूल्य के बीच परस्पर अंतर्विरोध क्योंकि समाज विवाह को एक संस्था मानता है एवं उसके मानदंडों को तोड़ना नहीं चाहता जबकि आधुनिक विचारधारा विवाह व लिंग के संदर्भ में व्यक्तिवाद को प्रभावी मानती है।

(iv) एक मुद्दा यह भी है कि जब संविधान ने मानकर समलैंगिकता को कानूनिक रूप से स्वीकार किया गया है तो उसका पूर्ण स्वीकरण करने में क्या बुराई है।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

(b) समलैंगिक विवाहों को मान्यता

गैर हिंदुओं के समलैंगिक विवाहों को मान्यता दी जानी चाहिए क्योंकि -

(i) सभी को समानता का अधिकार (अनु.-14)

(ii) लिंग एवं विवाह पर व्यक्ति का अपना पूर्ण हक होना चाहिए।

(iii) समलैंगिक संबंध वर्तमान समाज की एक सच्चाई है।

(iv) इन संबंधों को मान्यता दिए जाने के बाद ही ताकि आवश्यकता हो वरना यह स्वीकरण अर्थहीन होगा।

हालांकि समाज में कोई भी परिवर्तन त्वरित रूप से लाना उचित नहीं होगा। अतः गैर हिंदुओं में इस संदर्भ में पहले सभी पक्षों का आकलन व समाज के स्वीकार्यता का प्रसार किया जाना आवश्यक है।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

(c) समाज को नियंत्रित करने में कानून की महत्वपूर्ण भूमिका होती है यथा SDS की नीति के माध्यम से नियंत्रित कार्यों पर रोक लगाई जाती है.

लेकिन कानून द्वारा मानसिकता परिवर्तन लाना आसान नहीं है। यह कुछ ही तात्कालिक रोक लगाता है परंतु उस कार्य का निवारण नहीं करता है.

वास्तविकता में हम समाज को जागरूक व संस्कारित समाजीकरण द्वारा ही समाज में परिवर्तन ला सकते हैं। लॉरेंस भी इस बात का समर्थन करते हैं कि कानून के अलावा समाज की सहमति आवश्यक है।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

8. लॉयड एक सच्चा और ईमानदार अधिकारी है। वह एक ऐसे राज्य में पुलिस अधीक्षक के रूप में कार्यरत है, जो गैंग कल्चर और आपराधिक गतिविधियों के लिए कुख्यात है। उसके बेदाग ट्रैक रिकॉर्ड के आधार पर, उसे चार महीने पहले राज्य की राजधानी में स्थानांतरित कर दिया गया था। इससे उसकी पत्नी और बेटी भी खुश हैं क्योंकि उनकी पिछली सभी पोस्टिंग की तुलना में राजधानी अपेक्षाकृत सुरक्षित है।

हाल ही में, एक अपराधी जिस पर मुकदमा चल रहा था और उस पर कई गंभीर मामलों के आरोप थे, की अदालत ले जाते समय कुछ लोगों ने राजधानी में हत्या कर दी।

पुलिस हिरासत में अपराधियों की मौत के मामले में राज्य पुलिस का रिकॉर्ड खराब होने के कारण कई मानवाधिकार संगठन इस मामले की निष्पक्ष जांच की मांग कर रहे हैं। उन्होंने इस मामले में अदालतों का दरवाजा खटखटाया है और बाद में इसकी जाँच-पड़ताल के लिए राज्य सरकार द्वारा एक विशेष जांच दल (SIT) का गठन किया गया है।

चूंकि इस घटना के दौरान अपराधी को ले जाने वाले पुलिस अधिकारी उस पुलिस स्टेशन से हैं जो लॉयड के अधिकार क्षेत्र में आता है, इसलिए उसे सभी विवरणों के साथ SIT के सामने पेश होना होगा। जांच के दौरान लॉयड को ऐसे विवरण मिले, जो स्पष्ट रूप से एक प्रमुख राजनेता और अपराधी के बीच सांठगांठ को प्रदर्शित करते हैं। उसने एक रिपोर्ट तैयार की और इसे SIT के साथ साझा करने की योजना बना रहा है। उसके निष्कर्षों के आधार पर, संबंधित अपराधी और राजनेता की सांठगांठ उजागर होगी तथा राजनेता पर भी आरोप लग सकते हैं।

लॉयड के वरिष्ठ अधिकारियों ने उससे रिपोर्ट के निष्कर्षों के बारे में पूछा और रिपोर्ट से राजनेता को प्रभावित करने वाली जानकारी को हटाने की सलाह दी। लॉयड ने बताया कि रिपोर्ट में उल्लिखित राजनेता सार्वजनिक जीवन में एक बहुत ही प्रमुख व्यक्ति है और राज्य के सभी प्रमुख राजनीतिक दलों के साथ उसके संबंध भी अच्छे हैं। लॉयड के वरिष्ठ अधिकारियों ने उसे समझाते हुए कहा कि यदि वह उस राजनेता का नाम हटा देगा तो वह सत्ता में बैठे राजनेता का चहेता बन सकता है। इसके अलावा, उसे राजधानी में तैनात रहने में भी मदद मिलेगी, जिससे उनकी पत्नी और बेटी की सुरक्षा सुनिश्चित होगी।

(a) इस स्थिति से निपटने के लिए लॉयड के पास क्या विकल्प उपलब्ध हैं?

(b) प्रत्येक विकल्प का आलोचनात्मक मूल्यांकन कीजिए और लॉयड द्वारा अपनाने योग्य सबसे उपयुक्त विकल्प की पहचान कीजिए।

(c) पुलिस हिरासत में होने वाली मौतों को रोकने के लिए आप क्या उपाय सुझाएंगे?

Lloyd is an honest and upright officer working as the Superintendent of Police in a state, which is notorious for gang culture and criminal activities. Based on his impeccable track record, he was transferred to the state capital four months ago. His wife and daughter are also happy as the capital city is comparatively safer compared to all his previous postings.

Recently, a criminal who was under trial and facing charges in a number of serious cases, was killed by some people in the capital city while he was being taken to the court.

Due to the poor record of the state police in terms of death of criminals in police custody, various human rights organizations are demanding a fair enquiry in the case. They have approached the courts in this matter and subsequently a Special Investigation Team (SIT) has been formed by the state government to look into this issue.

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

Since the police officers escorting the criminal during this incident are from the police station that comes under Lloyd's jurisdiction, he will be required to depose before the SIT with all the details. While investigating, he came across details, which clearly establish a nexus between a prominent politician and the criminal. He prepared a report and was planning to share it with the SIT. On the basis of his findings, the nexus of the concerned criminal with the politician would be exposed and the politician may also face charges.

Lloyd's senior asks him about the findings of the report and advises him to drop the information implicating the politician from the report. He informs that the politician mentioned in the report is a very prominent figure in public life, and shares good relations with all the major political parties in the state. His senior further informs that this will bring him in the good books of those in positions of power. Further, this will also help him remain posted in the capital city, which ensures the safety of his wife and daughter.

(a) What are the options available with Lloyd to deal with the situation?

(b) Critically evaluate each of the options and identify the most appropriate one for Lloyd to adopt.

(c) What measures would you suggest to prevent deaths in police custody 20

दिया गया प्रकरण कानूनेतर हत्याओं और पाशविक पुलिसिया से जुड़ा है जहाँ अपराधियों का विरोध उनकी हत्या द्वारा व्यक्तिगत रूप से कर लिया जाता है।

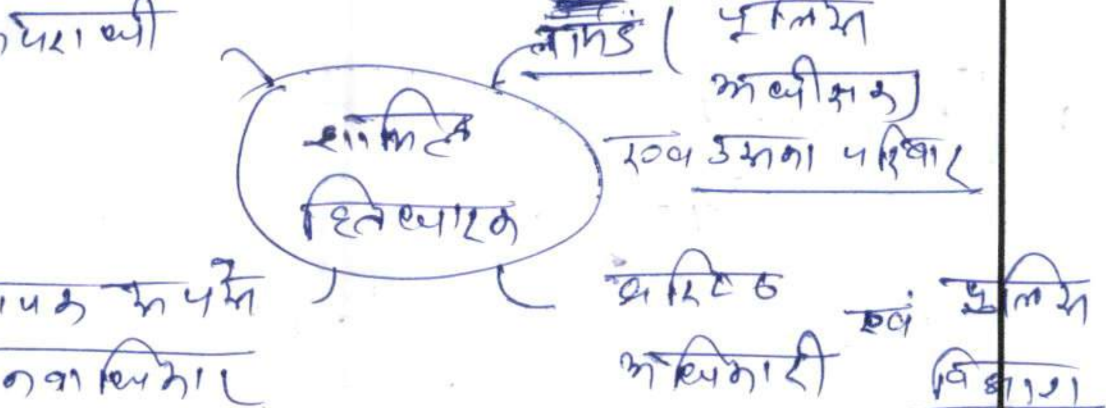

(a) लॉयड के पास उपलब्ध विकल्प

विकल्प-1: वरिष्ठ अधिकारियों की बात मानकर अपराध से शामिलता की मंजूरी दे देना।

विकल्प-2: शामिलता व वरिष्ठ अधिकारियों का स्पष्ट विरोध तो तुरंत जवाबी कार्रवाई करना।

विकल्प-3: वरिष्ठ अधिकारियों से मामले की गंभीरता पर अनुपालन-विभाग जाना और साथ ही मानवाधिकार वादी संगठनों से जुड़ाव रखना।

(b) विकल्पों का मूल्यांकन

विकल्प-1

गुण | दोष

- राजनेता से करीबी व उपहार
- परिवार की सुरक्षा

- ईमानदार मूल्य की हानि
- अपराध में शामिल होना
- ट्रैक रिकॉर्ड पर दाग

विकल्प - 2

गुण

- संवेदनशीलता का एवं साहस का परिचय
- प्रणीत : कारण अमान्य आचरण

दोष

- अधिकारियों व राजनेता से शत्रुता
- परिवार की सुरक्षा का खतरा

विकल्प-3

गुण

- संवेदनशीलता और

दोष

- राजनेता द्वारा

असुरक्षशीलता प्रदर्शित

• शांत अनुकम्पति प्रदर्शित

• मानवाधिकार संगठनों को समस्या मालूम होना।

जवाबी कार्रवाई की जा सकती है.

- मॉडल के समक्ष तीसरा विकल्प सर्वाधिक अपनाने योग्य है क्योंकि यह उसे अपने साथ सुरक्षा भी प्रदान कर रहा है. ~~सभा~~ साथ ही यह एक पुलिस की छवि के साथ संगत है.

(e) पुलिस हिरासत में होने वाली मौतों को रोकने के लिए उपाय -

(i) पुलिस पर जवाबदेही आरोपित करना। (पुलिस समिति)

(ii) दोषी कार्मिकों की फास्ट ट्रैक कोर्ट में त्वरित जाँच करना।

(iii) ऐसे अधिकारियों के प्रति त्वरित प्रभावी कार्यवाही और सार्वजनिक आलोचना।

(iv) पुलिस पर सत्ता के दबाव को कम करना। (दूसरा ARC)

(v) पुलिस कर्मचारियों का नैतिक व संवेदनशीलता प्रशिक्षण।

हालिया उत्तर प्रदेश में ऐसी जैसी घटना के संदर्भ में भारत में कानून व्यवस्था के संदर्भ में कठोर कार्यवाही को अपनाए जाने की आवश्यकता है।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

9. राज, बेहद गरीब परिवार से है और आर्थिक तंगी के कारण उसे अपनी उच्चतर शिक्षा भी ठीक से नहीं हो पाई। हालांकि, वह मेहनती था और उसने अपने परिवार का समर्थन करने के लिए कॉलेज के दिनों में ही कमाई शुरू कर दी थी।

उसने अपना करियर, ग्राहक सहायता विभाग में बनाया तथा उसकी ईमानदारी और कड़ी मेहनत के कारण उसे पदोन्नत भी किया गया। हाल ही में, उसे एक बेहद नामी एड-टेक कंपनी से नौकरी का ऑफर मिला। उसने इस ऑफर को सहर्ष स्वीकार कर लिया, क्योंकि यह कंपनी उसके वेतन में अच्छी वृद्धि के साथ-साथ टीम लीड पद पर पदोन्नति ऑफर कर रही थी।

राज इस नई नौकरी से बहुत खुश था और उसे लगा कि उसकी कई वर्षों की मेहनत आखिरकार सफल हो गई है। उसकी नई नौकरी में वेतन में उल्लेखनीय वृद्धि से उसके लिए उसकी छोटी बहन को पढ़ाना आसान हो जाएगा। हालांकि, कंपनी में ज्वाइन करने के कुछ महीनों के भीतर ही राज को एहसास हुआ कि कंपनी की व्यावसायिक प्रथाओं में कुछ गड़बड़ी है। उसकी ग्राहक सहायता टीम को प्राय: गरीब छात्रों के माता-पिता के फोन आते रहते थे जिन्होंने शिकायत की थी कि कंपनी उन्हें विभिन्न महंगे पाठ्यक्रमों के लिए ऋण या वित्त-पोषण विकल्पों पर गुमराह कर रही है।

कुछ विवरणों को जानने के बाद उसे एहसास हुआ कि उसकी कंपनी की सेल्स टीम गरीब माता-पिता को अपने बच्चों हेतु पाठ्यक्रम खरीदने के लिए लुभाने में कदाचार का सहारा लेती थी। राजू ने इसकी जानकारी अपने विभाग के प्रमुख को दी लेकिन विभागाध्यक्ष को इसकी कोई चिंता नहीं थी। उसके कुछ सहकर्मियों ने उसे बताया कि सेल्स के लक्ष्य को हासिल करने के लिए एड-टेक उद्योग में यह एक आम प्रणाली है। इसके अलावा, उसे यह भी बताया गया कि हाल ही में स्टार्ट-अप्स में फंडिंग की कमी के कारण कंपनी पर मुनाफा दिखाने का अधिक दबाव है, अन्यथा बड़े पैमाने पर छंटनी होगी।

(a) इस प्रकरण से जुड़े नैतिक मुद्दों पर चर्चा कीजिए।

(b) उपर्युक्त परिस्थितयों में, राज के पास क्या विकल्प उपलब्ध हैं?

(c) इनमें से प्रत्येक विकल्प का आलोचनात्मक मूल्यांकन कीजिए।

(d) राज को कौन-सी कार्रवाई अपनानी चाहिए? वैध कारणों के माध्यम से पुष्टि कीजिए।

Raj comes from a very poor family and due to financial constraints, he had to compromise on his higher education. But, he was hard-working and started earning during his college days to support his family.

He made his career in the customer support department and due to his integrity and hard work, he was promoted. Recently, he got a job offer from a very prominent ed-tech company. He happily accepted the offer, as the company was offering a significant salary hike as well as promotion to a Team Lead position.

Raj was really happy with this new job and felt that his hard work of many years had finally paid off. The significant salary jump in his new job would also help him sponsor the education of his younger sister. But, within a few months of joining, Raj realized that something was wrong with the business practices of the company. His customer support team frequently received calls from parents of poor students who complained about the company misleading them on loans or financing options for the various expensive courses.

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

After going into some details, he realized that the sales team of his company was indulging in malpractices to lure poor parents to buy courses for their children. He informed this to the head of his department but the head did not seem concerned. Some of his colleagues informed him that this is a normal practice in the ed-tech industry to achieve sales targets. Further, he was also informed that due to the recent funding crunch in start-ups, the company is under severe pressure to show profits, else there will be mass layoffs.

(a) Identify the ethical issues associated with the case above.

(b) Under the given conditions, what are the options available to Raj?

(c) Critically evaluate each of these options.

(d) What course of action should Raj adopt? Justify with valid reasons. 20

वर्तमान बढ़ रही एड-टेक एवं कोचिंग इंडस्ट्री के संदर्भ में यह प्रकरण शिक्षा के व्यवसायीकरण के मुद्दे पर प्रकाश डालता है.

प्रकरण के हितधारक:
- राज व उसका परिवार
- राज की कंपनी
- गरीब छात्र व उनके माता-पिता
- वृहत संदर्भ में संपूर्ण शिक्षा व्यवस्था.

(a) प्रश्न: शामिल नैतिक मुद्दे →

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

(i) नए [लाभ] बनाम [सामाजिक कल्याण] का द्वन्द्व है क्योंकि शिक्षा कारोबार के फैलाव पर अनैतिक विधि की आड़ ली जा रही है।

(ii) [शिक्षा एक मूल्य] बनाम (शिक्षा एक व्यवसाय) की स्थिति क्योंकि यहाँ शिक्षा को आर्थिक हित पूर्ति का साधन मात्र लिया गया है।

(iii) यहाँ कंपनी के बिना ही कमी को शिक्षा एवं निर्धन पारिवारिक स्थिति को नजरअंदाज करके छात्रों का शोषण किया जा रहा है।

(iv) साथ ही अनुचित विज्ञापन एवं ग्राहक अधिकार शोषण की स्थिति है क्योंकि ये दबाव व भ्रामक विज्ञापन की प्रकृति है।

(v) अनैतिक रूप से कंपनी का वर्तमान

कि लाभकारिता वर्तमान के आधुनिक के मतलब तंत्र के रूप में अपना लिया गया है और नैतिकता के विरुद्ध है।

(b) एवं (c) राज्य के पास विकल्प व मूल्यांकन

विकल्प 1: फ्रेड को नजरअंदाज करना

लाभ	हानि
. लाभकारी नौकरी में बने रहना	. अपनी ईमानदारी के विरुद्ध
. परिवार की आर्थिक स्थिति में सुधार व बहन की शिक्षा	. स्वयं गरीबी की स्थिति में रहकर भी चुप रहना अनैतिकता है.

विकल्प 2: कंपनी के मालिकों से बात कर मामले को उपभोक्ता मंच पर उठाना

हानि	लाभ

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

- रोजगार का संकट
- स्वयं निर्धनता की स्थिति में
- ग्राहक ~~अधिकारों~~ अधिकारों का संरक्षण
- गरीब छात्रों के हितों की रक्षा,

(ब) शाला की कार्यवाहियाँ :

शाला को दूसरे विकल्प को अपनाना चाहिए क्योंकि

(i) प्राइवेट संस्थान का एक मात्र ग्राहकों के हितों की रक्षा करना है.

(ii) यह अनिवार्य शिक्षा अभियान के उद्देश्य के संगत है.

(iii) नैतिकताविहीन व्यवसाय एक सामाजिक पाप माना जाता है (महात्मा गांधी).

वर्तमान में शिक्षा के व्यवसायीकरण पर नियंत्रण आवश्यक है। NEP-2020 के लक्ष्यों के अनुरूप इस हेतु पर्याप्त मानकों को लाया जाना चाहिए।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

10. नगर निगम प्रमुख के रूप में, आपको एक चुनौतीपूर्ण स्थिति का सामना करना पड़ रहा है जिसमें संबंधित नागरिकों के दो समूहों ने आपसे संपर्क किया है। पहला समूह शहर में आवारा कुत्तों के खतरे के बारे में अपनी निराशा एवं चिंता व्यक्त कर रहा है और दूसरा समूह, इन बेजुबान जानवरों के प्रति करुणा व मानवीय व्यवहार को प्रोत्साहित करने की दिशा में कदम उठाने का आग्रह कर रहा है।

पहली याचिका में आवारा कुत्तों द्वारा समाज के सुभेद्य वर्ग, विशेषरूप से बच्चों पर हमला करने या उन्हें जान से मारने की बढ़ती घटनाओं पर प्रकाश डाला गया है। उनका कहना है कि यह स्थिति कुत्तों की अपर्याप्त नसबंदी और टीकाकरण के कारण हुई है। वे सड़क के कुत्तों को तत्काल हटाने और उन्हें अन्यत्र भेजने की मांग कर रहे हैं।

हालांकि, दूसरी याचिका में यह कहा गया है कि इस समस्या का मूल कारण अप्रभावी पशु स्वास्थ्य देखभाल और नियंत्रण, अवैध प्रजनन केंद्र, पालतू जानवरों के मालिकों द्वारा उन्हें सड़कों पर छोड़ देना है। उनका तर्क है कि इस स्थिति के लिए ज़िम्मेदार लोगों को सजा मिलनी चाहिए, जानवरों को नहीं।

इसके अतिरिक्त, भारत में ऐसे कानून हैं जिसके तहत सड़कों से कुत्ते को हटाना गैर-कानूनी है। इसका मतलब यह है कि यदि कोई कुत्ता सड़क पर रहता है, तो गोद लिए जाने तक सड़क पर रहना उसका "अधिकार" है। जानवरों के जीवन के अधिकार को मानव सुरक्षा संबंधी चिंताओं के साथ संतुलित करना एक कठिन काम सिद्ध हो रहा है।

(a) इस प्रकरण में शामिल नैतिक दुविधाएं कौन-सी हैं?

(b) एक याचिका को दूसरे पर तरजीह देने के निहितार्थों का मूल्यांकन कीजिए।

(c) कौन-सी कार्रवाई से इस स्थिति का तात्कालिक और दीर्घावधि समाधान होगा?

As the Head of the Municipal Corporation, you are faced with a challenging situation wherein two groups of concerned citizens have approached you. One, expressing their frustrations and concerns regarding the menace caused by street dogs in the city and other, taking steps towards encouraging compassion and humane treatment to these silent beings.

The first plea highlights the rising incidents of stray dogs' attacking or killing the vulnerable members of society especially children. They point to inadequate sterilisation and vaccination of dogs as exacerbating the situation. They demand the immediate removal of street dogs and their relocation elsewhere.

The second plea however points to ineffective animal healthcare and control, illegal breeding centres, pet owners abandoning their pets on the streets as root of the problem. They argue that the system or the people responsible for the situation should be punished, not the animals.

Furthermore, India has laws in place that make it illegal to remove a dog from the streets. This means that once a dog is on the streets, it has a "right" to stay there unless adopted. Balancing the animals' right to life with human safety concerns is proving to be a difficult task.

(a) What are the ethical dilemmas involved in the case?

(b) Evaluate the implications of favouring one plea over the other.

(c) What course of action would resolve the situation in the immediate as well as long term? 20

हाल ही में दिल्ली में आवारा कुत्तों द्वारा (5) माह की बच्ची को मार के मार दिया गया। यह प्रकरण इस मुद्दे की गंभीरता को दर्शित करता है।

यहाँ नगर निगम प्रशासन, दोनों नागरिक समाज, समाज और कुत्ते व अन्य वन्यजीव प्रमुख हितधारक है।

(a) शामिल नैतिक मुद्दे —

(i) मानव बनाम पशु अधिकार की दुविधा क्योंकि यहाँ मानवों को पशुओं के आवास का अतिक्रमणकार बताया जा रहा है और आवारा कुत्ते मानव सुरक्षा के प्रति खतरे माने जा रहे हैं।

(ii) एकपक्षीयता बनाम बहुपक्षीयता क्योंकि दोनों समूहों द्वारा ~~एकपक्षीय~~ एकपक्षीय

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

होगा। केवल मानवों या केवल जन्तुओं को दोषी माना जा रहा है जबकि दोनों के सम्मिलित दृष्टिकोण का अभाव है।

(iii) मानव जीवन को अधिक महत्व किन्तु जीवन का जन्तुओं/पशुओं को मानवों के समतुल्य मानने वालों के बीच अंतर्विरोध है

(iv) कानूनों में भी अस्पष्टता की स्थिति है। क्योंकि पशुओं को जन्तुओं को हटाना और - कानूनी है जबकि वे मानवों को हानि पहुँचा रहे हैं।

(b) मामिकाओं के वरीयता के निहितार्थ

(i) पहली मामिका पर दूसरी को वरीयता

सकारात्मक निहितार्थ	नकारात्मक निहितार्थ
• पशु के अधिकारों का संरक्षण	• मानव अधिकारों की अवहेलना

- पशुओं के प्रति प्रेम को प्रदर्शित
- पशु देखभाल का बलिदान मानवों पर डालना।

- मानव स्वास्थ्य को खतरा
- मानव कार्यवाही कर सकते हैं जिससे मानव-पशु संघर्ष

(iii) दूसरी न्यायिक पर न्यायालय का वरीयता

सकारात्मक निहितार्थ

- न्यायिक का मानवीय दृष्टिकोण
- मानव सुरक्षा
- समस्या का तत्काल समाधान

नकारात्मक निहितार्थ

- पशु / कुत्तों अधिकारों का हनन जो प्रगतिशील नीति कार्य के विरुद्ध
- कुछ हद तक मानव की इस स्थिति का जिम्मेदार है।

(c) स्थिति के संदर्भ में कार्यवाही

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

तात्कालिक समाधान कार्यवाही

- नगर निगम द्वारा कुत्तों को पकड़ना
- पकड़कर उनका टीकाकरण करना
- लोगों को बचाव के तरीके बताना
- कुत्तों के प्रति हिंसा को नियंत्रित करना.

दीर्घकालिक समाधान कार्यवाही

- पालतू पशुओं के संदर्भ में नीतियां
- शहरों में पशुओं हेतु स्थान आरक्षण
- अस्पताल, कानूनों में आवश्यकतानुरूप बदलाव
- विभिन्न NGOs द्वारा कुत्तों आदि जानवरों के संरक्षण हेतु सहयोग।

सुप्रीम कोर्ट ने अपने निर्णयों में मानव पशु दोनों के अधिकारों को महत्व प्रदान किया है अतः समग्र दृष्टिकोण अपनाने की आवश्यकता है।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

11. आप युवा ईमानदार व्यक्ति हैं और जिले के भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो में आपकी नई नियुक्त हुई है। ब्यूरो में शामिल होने के बाद, आपके कार्यालय को एक गुमनाम व्यक्ति से सूचना मिली कि शहर के नगर निगम में काम करने वाले एक इंजीनियर ने अपनी आय के ज्ञात स्रोतों से कहीं अधिक संपत्ति अर्जित की है और वह भ्रष्ट गतिविधियों में शामिल है। चूंकि कानून में यह स्पष्ट है कि गुमनाम शिकायतों पर कार्रवाई नहीं की जा सकती, इसलिए आप शिकायत को नजरअंदाज कर देते हैं। हालांकि, अगले कुछ हफ्तों में आपको संबंधित इंजीनियर के खिलाफ कुछ और गुमनाम शिकायतें मिलीं। आप उस इंजीनियर के खिलाफ पूछताछ शुरू करते हैं और यह पाते हैं कि वह वास्तव में एक बहुत ही भ्रष्ट अधिकारी है। कुछ समय बाद, आप उसके कार्यालय और घर पर छापेमारी की योजना बनाते हैं, किंतु आपको आज तक उसके खिलाफ निर्धारित प्रारूप में कोई आधिकारिक शिकायत नहीं मिली है।

छापेमारी के दौरान आपको जो चीजें बरामद हुई वे आपके और आपके स्टाफ के लिए चौंकाने वाली हैं। आपको न केवल इंजीनियर की क्षमता से कहीं अधिक मात्रा में बेहिसाब धन-दौलत मिली बल्कि सोना, विदेश यात्रा के टिकट, पांच सितारा होटलों में आरक्षण तथा प्रभावशाली राजनेताओं तथा जिले में पहले नियुक्त और वर्तमान में नियुक्त नौकरशाहों के खिलाफ पुख्ता सबूत मिले।

हालांकि, छापेमारी के तुरंत बाद, आपको अपने वरिष्ठों अधिकारीयों से आपके दीर्घकालिक करियर और प्रियजनों की सुरक्षा के हित में जांच छोड़ने के लिए धमकी भरे संदेश प्राप्त होने लगते हैं। आपके वरिष्ठ अधिकारी आप पर आरोप लगाते हैं कि आपने छापेमारी के लिए निर्धारित नियमों का पालन नहीं किया था और यदि यह मामला अदालत तक पहुंच गया, तो प्रक्रियात्मक खामियों के कारण यह ज्यादा दिन तक नहीं चलेगा।

चूंकि, आप एक ईमानदार अधिकारी हैं इसलिए आप इन चेतावनियों को अनदेखा करते हैं और अपनी जांच जारी रखते हैं। हालांकि, जल्द ही आपको नियमों का उल्लंघन करने के आधार पर प्रशासनिक अवकाश पर भेज दिया जाता है। आपको यह भी पता चलता है कि आपके कुछ जूनियर्स ने आपके खिलाफ भ्रष्टाचार में शामिल होने की शिकायत दर्ज कराई है। उन्होंने यह भी शिकायत की है कि आपने उन्हें जांच को रोकने के लिए न केवल संबंधित इंजीनियर बल्कि उन राजनेताओं और नौकरशाहों से भी पैसे वसूलने का निर्देश दिया, जिनके खिलाफ आपने सबूत इकट्ठे किए थे।

उपर्युक्त परिदृश्य के आधार पर निम्नलिखित का उत्तर दीजिए:

(a) इस प्रकरण में शामिल विभिन्न हितधारकों एवं मुद्दों की पहचान कीजिए।

(b) प्रदत्त स्थिति में आपके पास क्या विकल्प उपलब्ध हैं?

(c) इनमें से प्रत्येक विकल्प के गुण और दोषों का विश्लेषण कीजिए।

(d) औचित्य सिद्ध करते हुए अपनी कार्रवाई पर चर्चा कीजिए।

You are young upright person who has been newly appointed in the Anti-Corruption Bureau of your district. After joining, your office receives a tip-off from an anonymous person that an engineer working with the Municipal Corporation of the city has amassed wealth much beyond his known sources of income and is hand in gloves in corrupt activities. Because the law is clear that anonymous complaints cannot be acted upon, you ignore the complaint. But in the next few weeks, you receive a few more anonymous complaints against the concerned engineer. You begin to make enquiries against the engineer and find that he is indeed a very corrupt officer. Some

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

time later, you make up your mind to conduct raids on his office and house, even though you have not received any official complaint in the prescribed format against him till date.

What you unearth during the raids is shocking for you and your staff. You find not only vast amounts of unaccounted currency, much beyond the means of the engineer, but also gold, travel tickets to visits made abroad, reservations in five-star hotels, and a whole bunch of clinching evidence against influential politicians and bureaucrats - appointed in the past as well as present ones - in the district.

However, soon after conducting the raid, you start receiving subtle messages from your superiors to drop the investigation in the interest of your own long-term career and the safety and security of your loved ones. They also point out that you had not followed the rules stipulated for conducting the raid, and if the matter were to reach the courts, it would be disposed off in no time due to procedural lapses on your part.

Since, you are an upright officer, you ignore these warnings and continue with your investigation. However, soon you are put on administrative leave on the ground of flouting the rules. You also come to know that a few of your juniors have filed a complaint against you for being involved in corruption. They have also complained that you instructed them to extort money from not only the concerned engineer but also the politicians and bureaucrats against whom you unearthed evidence, to put a halt to the investigation.

Based on the above scenario, answer the following:

(a) Identify the various stakeholders and the issues involved in the case.

(b) What options do you have in the given situation?

(c) Analyse the merits and demerits of each of these options.

(d) Discuss your course of action, with proper justification. 20

भारत में भ्रष्टाचार के केस में राजनीतिक दबाव और ईमानदार सेवकों के विरुद्ध झूठी कार्यवाही एक आम घटना है।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

(व) शान्तिलाल हितधारक एवं मुद्दे

(i) हितधारक

- मैं स्वयं क्योंकि मेरी कार्यवाही के कारण मुझ पर अवैध कार्यवाही हुई है तथा मुझे अपने कर्तव्य से विमुख किया जाता है.
- कांस्टेबल इमरान जो केवल राजनीतिक गठजोड़ से संरक्षित है.
- मेरे पुलिसकर्मी मित्रों जिन्होंने एक लालच में झूठी गवाही एवं शिकायत दर्ज कराई है.
- वरिष्ठ अधिकारी जो स्वयं भ्रष्टाचार में लिप्त है.
- मेरा परिवार जिसकी सुरक्षा की धमकियाँ प्राप्त हो रही है.

(ii) शामिल मुद्दे

- ईमानदारी बनाम कदाचार एवं बेईमानी की स्थिति है.

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

(ii) ईमानदार और कर्तव्य राजनीतिक-नौकरशाही गठजोड़ को बढ़ावा दिया जा रहा है

(iii) यहाँ कार्य में कार्मिक संपत्ति की स्थिति है जो नैतिक दृष्टिकोण से लोक सेवा की अवहेलना है।

(iv) ईमानदार लोकसेवकों पर दबाव से अनुशासन और ईमानदारी वाली संस्कृति का ह्रास होता है।

(b) प्रस्तुत स्थिति में मेरे पास विकल्प

(1) दबाव में आकर वरिष्ठ अधिकारियों की बात मान लेना और जाँच छोड़ देना।

(2) वरिष्ठ अधिकारियों और मंत्रीजी के विरुद्ध उनपर लड़ाई छेड़ देना और जवाबी कार्यवाही शुरू करना।

(७) व्यक्तिगत रूप से उक्त रूपनति कानून तथा विभाग के ईमानदार लोगों का नाम लेकर स्थानीय लोक को यह सूचना उपलब्ध कराना।

(c) विकल्पों का मूल्यांकन –

विकल्प- 1

गुण: कार्य पर पुनः नियुक्ति व लाभ की प्राप्ति

दोष: व्यक्तिगत स्तर का कर्तव्य का हनन।

विकल्प- 2

गुण: अधिकारी के प्रति वफादारी व कृपा पर संकट।

दोष: परिवार की छोटी एवं जरूरतों के अभाव में कुछ ही रही।

विकल्प- 3

गुण | दोष

- मामले की पृच्छा रिपोर्ट तैयार व जनता को शामिल (प्रेस विज्ञप्ति द्वारा)
- धीमी प्रक्रिया
- छवि प्रभावित.

(ब) मेरी कार्यवाही

(i) मेरी कार्यवाही प्रत्येक स्थिति में कल्याणकारी 6 वेद स्तंभ पर आधारित होगी.

(ii) विभागीय लोगों की सहायता में कमियों का पता लगाना व पीड़ितों को इसकी जानकारी।.

(iii) पूरी कमियों की स्थिति में न्यायालय में पहुँचना.

(iv) परिवार के कांसल हेतु पुलिस संरक्षण की मांग करना।.

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

12. आपको एक राज्य में मुख्य सचिव के पद पर नियुक्त किया गया है। हाल ही में, आपके राज्य के दो लोक सेवकों से जुड़ा एक जटिल मुद्दा सामने आया है। दोनों अधिकारी जो अपनी-अपनी भूमिकाओं में उत्कृष्टता के लिए जाने जाते हैं, सोशल मीडिया पर एक गंभीर सार्वजनिक झगड़े में उलझ गए हैं।

अधिकारी A के द्वारा सोशल मीडिया पर कई इमेज और बयानों को पोस्ट करने के बाद यह विवाद शुरू हुआ, जिसका अंतर्निहित अर्थ यह था कि अधिकारी B, पोस्टिंग और पदोन्नति में अनुचित लाभ प्राप्त करने के लिए व्यक्तिगत संबंधों एवं नेटवर्किंग का इस्तेमाल कर रही है। हालांकि, यह कार्रवाई अप्रमाणित है लेकिन इसने अफवाहों का तूफान खड़ा कर दिया है, जिससे अधिकारी B की प्रतिष्ठा को काफी क्षति पहुंची।

अनुक्रिया स्वरूप अधिकारी B ने सोशल मीडिया पर ही अपना बचाव किया तथा अधिकारी A पर अनैतिक प्रथाओं को अपनाने और गोपनीयता के उल्लंघन का आरोप लगाया। वह अपने आंतरिक विभागीय मुद्दों का खुलासा करके एक कदम आगे बढ़ गई, जिसमें अधिकारी A कथित तौर पर शामिल था। इन आरोपों ने न केवल संघर्ष को बढ़ाया बल्कि जनता के सामने संवेदनशील जानकारी भी उजागर कर दी।

अधिकारी A के सोशल मीडिया पोस्ट को एक स्थानीय समाचार आउटलेट ने प्रमुखता से उठाया एवं उसे प्रचारित किया, जिससे स्थिति और भी बिगड़ गई। यह मुद्दा अब राज्य प्रशासन के दायरे से बाहर चला गया है, जिससे सार्वजनिक अटकलें और मीडिया जांच तेज हो गई है।

ये सभी घटनाएं सार्वजनिक मंच पर सामने आई, इससे लोक सेवाओं की छवि खराब हुई है और राज्य प्रशासन के काम-काज में व्यवधान पैदा हुआ। केंद्र सरकार स्थिति पर बारीकी से नजर रख रही है और इसमें शामिल अधिकारियों के खिलाफ उचित अनुशासनात्मक कार्रवाई के लिए दबाव डाला गया है।

(a) इस प्रकरण में कौन-से नैतिक मुद्दे शामिल हैं?

(b) मुख्य सचिव के रूप में आपके पास क्या विकल्प उपलब्ध हैं?

(c) आप कौन-सा विकल्प चुनेंगे और क्यों?

You have been appointed as the Chief Secretary in a state. Recently, a complex issue has surfaced involving two civil servants from your state. Both the officers who are known for their excellence in their respective roles have found themselves embroiled in an intense public feud on social media.

Officer A initiated the dispute by posting a series of images and statements on social media, indirectly implying that Officer B has been utilizing personal relationships and networking for gaining undue advantages in job postings and promotions. This action, while unproven, has stirred up a storm of rumors, leading to severe reputational damage to Officer B.

In response, Officer B defended herself on the same platform, accusing Officer A of unethical practices and breach of confidentiality. She went a step further by revealing his internal departmental issues, which Officer A was supposedly involved in. These allegations have not only escalated the conflict but also exposed sensitive information to the public.

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

Officer A's social media posts have been prominently picked up and publicised by a local news outlet further escalating the situation. The issue has now gone beyond the realms of the state administration, leading to intense public speculation and media scrutiny.

All these events have unfolded on a public platform and have tarnished the image of the civil services and created a disruption in the working of the state administration. The Central Government is closely monitoring the situation and has exerted pressure for appropriate disciplinary action against the officers involved.

(a) What are ethical issues involved in this situation?

(b) What are the options available to you as the Chief Secretary?

(c) Which option would you choose and why? 20

वर्तमान सोशल मीडिया और वर्तमान प्रशासनिक दौर में सिविल सेवा में नैतिकता एवं अनुशासन के मूल्य की ओर पहुंची हो रहे प्रकरण ऐसे ही एक मुद्दे को उजागर करता है.

शामिल हितधारक
- मैं स्वयं (मुख्य सचिव)
- अधिकारी A
- अधिकारी B
- प्रशासन की छवि

(a) [शामिल नैतिक मुद्दे -]

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

(ii) यहाँ आरोप प्रत्यारोप की स्थिति दिखती है जो प्रशासन में अकार्यशील संस्कृति को दर्शाता है।

(iii) यहाँ जवाबदेहिता और प्रशासनिक सुशासन के सिद्धांत की अवहेलना की गई है।

(iii) प्रशासन संबंधी गोपनीय जानकारी उजागर करना प्रशासन की छवि व क्षमता के लिए नकारात्मक हो सकता है।

(iv) यह सिविल सेवकों की नैतिकता व सत्यनिष्ठा (इंटरनल आचरण संबंधी आचरण) की कमी को इंगित करता है।

(b) प्रधान सचिव के रूप में मेरे पास विकल्प

पहला - दोनों अधिकारियों को

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

इस प्रभाव को निलंबित कर दिया जाए।

दूसरा - दोनों अधिकारियों को एक बार गंभीरता अनुसार आरोप के करने की चेतावनी जारी किया जाए।

तीसरा - दोनों से इस अनियमित तनाव का कारण पता करके माफी पत्र मांगा जाए और प्रशासनिक गोपनीयता को भंग करने के कृत्य के विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्यवाही की जाए।

(c) मेरी कार्यवाही -

[मेरा दृष्टिकोण · अनुशासन व अनामिता के संगत]

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

4) मैं तीसरे विकल्प चयन करूँगा।

[क्योंकि]

(i) यह प्रशासनिक दृष्टिकोण से संगत है।

(ii) मामले का पता लगाना आवश्यक है ताकि मूल कारणों को जाना जा सके।

(iii) अनुशासनात्मक कार्यवाही आवश्यक ताकि यह निवारक दृष्टिकोण से काम कर सके।

(iv) अन्य सिविल सेवकों को भी इस मामले की गंभीरता संदेश में मिलेगा।

इस दृष्टिकोण से सोशल मीडिया के सिविल सेवकों द्वारा उपयोग को निर्धारित मानकों के अधीन विनियमित किए जाने की आवश्यकता है तथा आचार संहिता को विधिक स्वरूप दिया जाना भी समय की मांग है।